पाठ 6. पूछूँ एक सवाल

कविता का उद्देश्य

बच्चों के मन में लगातार यह जिज्ञासा बनी रहती है कि हमारे आस-पास जो भी कुछ होता रहता है वह क्यों और कैसे होता है! प्रस्तुत कविता का उद्देश्य बालमन की इसी जिज्ञासा और व्याकुलता को प्रकट करना है।

कविता का सारांश

प्रस्तुत कविता में एक बच्चा अपने भाई से बड़े अनोखे सवाल करता है। वह मुन्ना के गाल, पहलवान की ताल, भालू के बाल, साँप की चाल, नारंगी तथा घोड़े आदि के बारे में सवाल पूछता है। पैसा गोल क्यों होता है? कौआ काँव-काँव क्यों करता है? दादी माला क्यों फेरती हैं? आसमान नीला क्यों होता है? लगता है कि उसके प्रश्नों का कोई अंत नहीं है। ईश्वर ने संपूर्ण प्रकृति का निर्माण बहुत ही सुनियोजित तरीके से किया है और हर किसी घटना या किसी काम के होने का कोई-न-कोई कारण होता है। सारे सवालों का यही जवाब है।

अध्यापन संकेत

कविता का सस्वर वाचन करें। बच्चों को कविता का मौन वाचन करने के लिए कहें। बच्चों से पूछें कि क्या उनके मन में भी इस तरह के सवाल उठते हैं। कुछ नया जानने की इच्छा उत्पन्न होती है। बच्चों को अपनी बात रखने का अवसर दें। उन्हें अभिव्यक्ति के लिए प्रेरित करें।

- कठिन शब्दों के अर्थ बताएँ।
- कविता की पंक्ति–'घोड़े के क्यों लगती नाल?' बच्चों को बताएँ कि घोड़ों के खुरों में लोहे की नाल इसलिए लगाई जाती है ताकि उनके खुर सुरक्षित रहें, घिसे नहीं। जब घोड़ा दौड़ता या चलता है तो उसके पैरों से जो ध्वनि निकलती है वह लोहे की नाल के कारण ही उत्पन्न होती है।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।